'कौशल को विकसित करने का हिस्सा प्रौद्योगिकी नेतृत्व'

आइआइएम में आयोजित नेतृत्व शिखर सम्मेलन में चर्चा करते विशेषज्ञ। ● संस्थान प्रबंधन

नईदुनिया (वि.), रायपुर : भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में आयोजित दो दिवसीय आठवें नेतृत्व शिखर सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। व्यवसाय मालिकों का निर्माण विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में विभिन्न उद्योगों के प्रतिष्ठित व्यवसायी और विशेषज्ञों ने बदलते व्यापारिक परिदृश्य, स्थिरता, रचनात्मकता, नवाचार और समावेशी प्रथाओं पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि प्रौद्योगिकी नेतृत्व को केवल उपकरणों के प्रबंधन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए नए और प्रासंगिक कौशलों को विकसित करना, विघटनकारी नवाचारों को अपनाना, और संगठनों का मार्गदर्शन करते हुए निरंतर सीखना, पुरानी जानकारी को छोड़ना और नए सिरे से सीखना आवश्यक है, ताकि एक तकनीकी-सक्षम भविष्य का निर्माण किया जा सकें।

पैनल डिस्कशन में ये बातें सामने आईं

प्रौद्योगिकी नेतृत्व में नए कौशलों को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। संगठन के मिशन या दृष्टिकोण को एक उद्देश्य के साथ जोड़ने की प्राथमिकता, नेटवर्किंग के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसके करिअर में मदद करने के तरीकों पर चर्चा और कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता पर वक्ताओं ने जोर दिया।